केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

11 फरवरी 2026

बुधवार

आपकी आवाज

कर्तव्यपथ की बलिवेदी पर चढ़ा प्रतापसागर का लाल, शव आते ही नम हुई आंखें, घटना के बाद से बेसुध है पूरा परिवार

3

एक नजर

बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर उम्र के हिसाब से बनें नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार में शामिल तेलगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने मांग की है कि बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर उम्र के हिसाब से नियम बनाए जाएं। टीडीपी संसदीय दल के नेता लावु श्री कृष्ण देवरायलु ने सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर इस संदर्भ में बात की और ज्ञापन भी सौंपा। टीडीपी नेता ने बताया कि आंध्र प्रदेश की एनडीए सरकार भी इस संबंध में गंभीरता से विचार कर रही है और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचा तैयार करने की संभावनाएं तलाश रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ पैरंट्स का कंट्रोल पर्याप्त नहीं है और जिम्मेदारी सीधे तौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ही होनी चाहिए। टीडीपी नेता लावु श्री ने कहा कि भारत में 14 से 16 साल के लगभग 90 पर्सेंट बच्चों की स्मार्टफोन तक पहुंच है। 75 पर्सेंट से ज्यादा बच्चे सक्रिय रूप से सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, ज्यादातर मनोरंजन के लिए।

असम में एसआर-2026 की अंतिम मतदाता सूची जारी, हटाए गए 2.43 लाख लोगों के नाम

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए विशेष पुनर्निरीक्षण (एसआर) 2026 की अंतिम मतदाता सूची जारी की है, जिसमें 2.49 करोड़ से ज्यादा वोटर हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी असम के अनुसार, ड्राफ्ट मतदाता सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 2,52,01,624 थी, जो अंतिम सूची में घटकर 2,49,58,139 हो गई है यानी ड्राफ्ट रोल से 2.43 लाख नाम हटाए गए। इस अंतिम सूची में 1,24,82,213 पुरुष मतदाता, 1,24,75,583 महिला मतदाता, और 343 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। असम के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय की तरफ से जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया, विशेष पुनर्निरीक्षण (एसआर) 2026 के लिए इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 27 दिसंबर 2025 को पब्लिश की गई थी। इससे पहले 22 नवंबर 2025 से 20 दिसंबर 2025 तक हाउस-टू-हाउस सत्यापन अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया।

अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला होने तक सदन में नहीं आएंगे स्पीकर ओम बिरला, 9 मार्च को चर्चा की संभावना

- राहुल गांधी ने अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया
- संसदीय परंपराओं का सम्मान करते हुए लिया यह निर्णय
- कांग्रेस ने स्पीकर पर पक्षपात का आरोप लगाया है

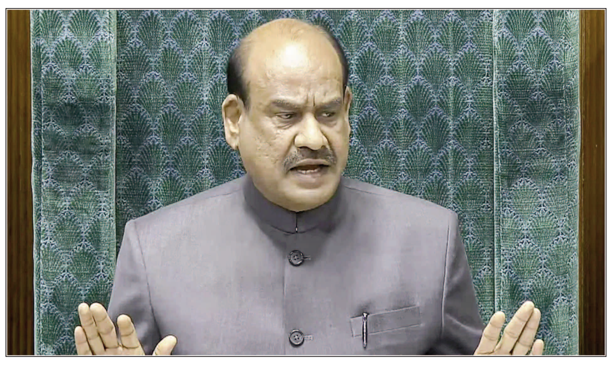

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नैतिक आधार पर फैसला किया है कि वह अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे तक सदन में नहीं जाएंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उनका यह कदम कांग्रेस की ओर से आज उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद आया। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के सचिव को निर्देश दिया कि वह उनके खिलाफ अविश्वास नोटिस की समीक्षा करें और उपयुक्त कार्रवाई करें। राहुल गांधी ने स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए, क्योंकि संसदीय परंपराओं के अनुसार विपक्षी नेता के लिए स्पीकर को हटाने की मांग करना उचित नहीं माना जाता। कांग्रेस ने हालांकि 118 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है, जिसमें स्पीकर पर पक्षपात का आरोप लगाया गया है। टीएमसी ने पहले स्पीकर से बात करने की अपील की थी। विपक्ष द्वारा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव पर ओम बिरला ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने फैसला किया है कि जब तक उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला नहीं हो जाता है, तब तक वह लोकसभा की चेयर पर नहीं बैठेंगे। वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि (लोकसभा में विपक्ष के नेता) राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। पात्रा ने कांग्रेस पर तमिलनाडु के जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना का आरोप भी लगाया।

गौरव गोगोई ने क्या कहा

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि आज दोपहर 1:14 बजे उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। सूत्रों के अनुसार, कुल 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि विपक्ष के सांसदों ने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट तौर पर पक्षपाती व्यवहार किया और विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दी।

अविश्वास प्रस्ताव में चार घटनाओं का है जिक्र

विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव में चार घटनाओं का जिक्र किया गया है। इनमें एक में कहा गया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया, जबकि उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में चीन के खिलाफ 2020 के घटनाक्रम को उठाया था। जानकारी के मुताबिक, नौ मार्च को बिरला को लोकसभा स्पीकर के पद से हटाने के लिए विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। इस दौरान के कम से कम पचास सांसदों को खड़े होकर समर्थन दिखाना होगा।

सरकार की नीतियों पर विपक्ष ने उठाए तीखे सवाल

बेरोजगारी-महंगाई, किसान और भारत अमेरिका ट्रेड डील पर लोकसभा में चर्चा

- लोकसभा में पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध टूटा और बजट पर विमर्श शुरू

एजेंसी। नई दिल्ली

कई दिनों के हंगामे और बार-बार के स्थगन के बाद आखिरकार मंगलवार को लोकसभा में पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध टूटा और बजट पर विमर्श शुरू हो गया। दो बार के स्थगन के बाद जब कार्यवाही दोपहर दो बजे शुरू हुई तो साफ हो गया कि चर्चा केवल बजट के आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की स्थिति और अमेरिका से व्यापारिक समझौते जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी तीखी टकराहट देखेगी। चालू सत्र के प्रारंभ से ही दोनों पक्षों में टकराव जारी था, जिसके चलते राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर भी विमर्श नहीं हो पाया था। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने चर्चा की शुरूआत करते हुए बजट को आम आदमी से कटा हुआ बताया। कहा कि इसमें बेरोजगारी, बढ़ती असमानता और रहन-सहन की बढ़ती लागत को नजरअंदाज किया गया है।

सरकार को किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ानी चाहिए

कांग्रेस सांसद ने व्यंग्यात्मक अंदाज में गालिब के शेर का हवाला देते हुए सरकार पर कटाक्ष किया और कहा कि यह बजट लोगों को केवल सुरक्षित होने का भ्रम देता है, ठीक वैसे ही जैसे कार में एयरबैग को इधर-उधर कर दिया जाए। थरूर ने यह भी कहा कि किसानों की आय दोगुनी होने का वादा अबतक पूरा नहीं हुआ है और सरकार को किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ानी चाहिए। थरूर ने ट्रेड डील को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए और कहा कि समझौता भारत को दीर्घकालिक घाटे की ओर धकेल सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जब भारतीय निर्यात पर अब भी ऊंचे शुल्क लगा रहा है तब भारत द्वारा बड़े पैमाने पर अमेरिकी उत्पादों की खरीद का वादा करना न तो संतुलित है और न ही रणनीतिक।

बजट के कई अनुमान इन्हीं दायित्वों पर निर्भर करते हैं

शशि थरूर ने विदेश मंत्री और वाणिज्य मंत्री पर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाते हुए कहा कि संसद को समझौते के दायित्वों की पूरी जानकारी नहीं दी गई है, जबकि बजट के कई अनुमान इन्हीं दायित्वों पर निर्भर करते हैं। विपक्ष की आलोचनाओं के जवाब में भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने बजट का जोरदार बचाव किया। उन्होंने इसे 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में ऐतिहासिक और निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट सरकार की निरंतरता, संकल्प और जन-केंद्रित सोच को दशार्ता है और भारत को वैश्विक निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद गंतव्य के रूप में स्थापित कर रहा है।समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने समझौते को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह 'डील' नहीं 'ढील' है और इससे किसानों व घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर ऐसा ही समझौता करना था तो 11 महीने का इंतजार क्यों कराया गया। उन्होंने बजट को दिशाहीन बताते हुए कहा कि इसमें किसानों, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए ठोस प्रावधान नहीं दिखते।तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी ने सरकार पर करों के बोझ को लेकर निशाना साधा और कहा कि मौजूदा व्यवस्था में जन्म से लेकर अंतिम संस्कार तक हर चीज पर टैक्स देना पड़ रहा है। उन्होंने राजनीतिक संदर्भ में बंगाल का मुद्दा भी उठाया और भाजपा पर लगातार चुनावी हार का आरोप लगाया।

पीजी मेडिकल की सीटें खाली न रहें इसलिए कम किया कट-आफ : मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को राज्यसभा में बताया कि सरकार ने पीजी मेडिकल काउंसलिंग 2025 के लिए कट-आफ पर्सेंटाइल को इसलिए कम किया है ताकि पीजी मेडिकल की महत्वपूर्ण सीटें खाली न रहें। यह निर्णय पिछले शैक्षणिक वर्षों के अनुभव के अनुरूप है, जिनसे सीटों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने में सफलता मिली थी। अनुप्रिया ने प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) की मेडिकल काउंसलिग कमेटी (एमसीसी) स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों (पीजी- मेडिकल) के लिए काउंसलिग आयोजित करती है। एमसीसी द्वारा आयोजित नीट पीजी काउंसलिग में अखिल भारतीय कोटा की 50 प्रतिशत सीटें और देशभर के केंद्रीय और डीम्ड विश्वविद्यालयों की 100 प्रतिशत सीटें शामिल हैं। राज्य कोटे की पीजी सीटों के लिए काउंसलिग संबंधित राज्य सरकारों द्वारा आयोजित की जाती है और निजी मेडिकल कालेजों के लिए काउंसलिग राज्य काउंसलिग प्राधिकरणों के दायरे में आती है।मंत्री ने बताया कि कट-आफ पर्सेंटाइल को संशोधित करने का निर्णय एमसीसी द्वारा आयोजित दूसरे दौर की काउंसलिग के पूरा होने के बाद लिया गया, जिसमें पता चला कि 29,476 सीटों में से 9,621 सीटें खाली रह गईं। अनुप्रिया ने बताया कि चूंकि 50 प्रतिशत सीटों के लिए काउंसलिग संबंधित राज्य द्वारा की जाती है, इसलिए यह आंका गया कि लगभग 20 हजार सीटें जिसमें डिप्लोमेट आफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) सीटें भी शामिल हैं, दो दौर के बाद खाली थीं इसलिए सरकार ने पीजी काउंसलिग 2025 के लिए कट-आफ को कम किया है। मंत्री ने कहा कि अनारक्षित श्रेणी के तहत कटआफ को सात सात पर्सेंटाइल कर दिया गया है। दिव्यांग श्रेणी के तहत कटआफ पांच पर्सेंटाइल कर दिया गया है।

साइबर अपराध के खिलाफ मजबूत तंत्र की जरूरत : शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साइबर-आधारित धोखाधड़ी से निपटना और इसके तंत्र को समाप्त करना विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आई4सी, राज्य पुलिस, सीबीआई, एनआईए, ईडी, दूरसंचार विभाग, बैंकिंग प्रणाली, आईटी मंत्रालय, आरबीआई और न्यायपालिका जैसे संस्थान सभी साइबर अपराध को रोकने और कम करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि जनवरी 2020 से 2025 तक आई4सी के रिपोर्टिंग पोर्टल का व्यापक उपयोग हुआ है। 30 नवंबर 2025 तक इसे 23 करोड़ से अधिक बार इस्तेमाल किया गया, जो इसकी बढ़ती अहमियत को दशार्ता है। इसी अवधि में 82 लाख साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से लगभग 1 लाख 84 हजार एफआईआर में परिवर्तित की गईं और अनेक मामलों का निराकरण भी हुआ। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय ने साइबर अपराध के खिलाफ काफी पहले ही एक व्यापक रणनीति अपनाई है, जिसमें रियल-टाइम रिपोर्टिंग, फॉरेंसिक लैब का नेटवर्क, क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं विकास, साइबर जागरूकता को समाज तक पहुंचाना और साइबर स्पेस में साइबर हाइजीन सुनिश्चित करना शामिल है। इन सभी प्रयासों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर हमें एक मजबूत और सुरक्षित तंत्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। गृह मंत्री ने कहा कि जनवरी 2019 में गृह मंत्रालय ने आई4सी की स्थापना की। आई4सी एक अद्भुत इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने में सफल रहा है। विभिन्न एजेंसियों के बीच इसने बेहतर समन्वय स्थापित किया, आवश्यक साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर कई स्थानों पर खड़ा किया और साइबर अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कदम उठाए हैं।

कोरानसराय में उतर रही भक्ति की गंगा, ज्ञान यज्ञ कथा से जागेगी आध्यात्मिक चेतना

■ कलश यात्रा से लेकर पूणार्हूति तक गूंजेगा नारायण-नारायण, संतों की वाणी से सराबोर होगा क्षेत्र

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय की पावन भूमि एक बार फिर वैदिक मंत्रों, भक्ति गीतों और आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित होने जा रही है। आगामी 10 से 16 मार्च तक यहां श्री श्री 108 विराट श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा, जो पूरे क्षेत्र को धर्म, आस्था और संस्कार के सूत्र में बांध देगा। यह आयोजन श्री राधेकीर्तन ब्रह्म बाबा के सान्निध्य में संपन्न होगा।

महायज्ञ का शुभारंभ 10 मार्च को भव्य कलश यात्रा, जलभरी एवं पंचांग पूजन के साथ होगा। सैकड़ों श्रद्धालु महिलाएं सिर पर कलश धारण कर यज्ञ स्थल तक पहुंचेंगी, जिससे पूरा कोरानसराय भक्तिमय वातावरण में डूब जाएगा। वहीं 16 मार्च को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूणार्हूति के साथ महायज्ञ का समापन होगा, जिसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

इस विराट धार्मिक अनुष्ठान का संचालन प्रसिद्ध यज्ञाचार्य आचार्य अखिलेश उपाध्याय के नेतृत्व में किया जाएगा। यज्ञ मंडप में प्रतिदिन हवन, पूजन एवं वैदिक विधियों के माध्यम से लोककल्याण की कामना की जाएगी। वहीं आध्यात्मिक रसधारा प्रवाहित करेंगी प्रयागराज की सुप्रसिद्ध कथावाचिका विदुषी अंजनी गोस्वामी, जो अपने ओजस्वी और भावपूर्ण वाणी से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य अनुभव कराएंगी।

आयोजन की गरिमा को और ऊंचाई देने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से पधारे प्रख्यात संत-महात्मा, भागवत कथा मर्मज्ञ एवं वैदिक विद्वान भी अपने प्रवचन से धर्म का संदेश देंगे। प्रतिदिन संगीतमय कथा, भजन-कीर्तन और आध्यात्मिक संवाद से श्रद्धालु भावविभोर होंगे।

महायज्ञ के मुख्य आयोजक महंत दीपक तिवारी जी महाराज ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज में सद्भाव, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक जागरण का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि यज्ञ के माध्यम से मानव जीवन में शांति, संयम और संस्कार का संचार होता है।

आयोजन को लेकर कोरानसराय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह चरम पर है। ग्रामीणों, युवाओं और श्रद्धालुओं द्वारा आयोजन की तैयारी में सक्रिय सहभागिता निभाई जा रही है। यज्ञ स्थल पर भव्य यज्ञ मंडप, विशाल प्रवचन मंच और साधु-संतों के ठहराव हेतु कुटियों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पूरे परिसर को आकर्षक और सुव्यवस्थित रूप दिया जा रहा है।

कुल मिलाकर, कोरानसराय में होने जा रहा यह महायज्ञ क्षेत्र के लिए एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक पर्व साबित होने वाला है, जहां भक्ति, ज्ञान और वैदिक परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

सबका सम्मान जीवन आसान अभियान को सफल बनाने के लिए 12 फरवरी को पंचायतवार कैंप, शत-प्रतिशत आच्छादन का निर्देश

नया भोजपुर थाने में दंडाधिकारी की मौजूदगी में हुआ 7,863 लीटर शराब का विनष्टीकरण

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाना क्षेत्र में पकड़ी गई अवैध शराब की अब तक की सबसे बड़ी खेप का विधिवत विनष्टीकरण किया गया। कांड संख्या 07/26 के तहत जब्त कुल 7,863 लीटर विदेशी शराब को सुरक्षित स्थान पर लाकर नियमों के अनुसार नष्ट किया गया। यह पूरी कार्रवाई नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुई, जिसमें चौगाईं अंचलाधिकारी गौतम कुमार दंडाधिकारी के रूप में मौजूद रहे। पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप कराई गई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह शराब बरामदगी हाल के महीनों में जिले की सबसे बड़ी सफलताओं में गिनी जा रही है। इससे पहले एसडीपीओ पोलत्स कुमार के निर्देशन में नया भोजपुर थाना पुलिस ने सूचना के आधार पर नावाडेरा गेट के समीप एक संदिग्ध ट्रक को रोका था। ट्रक संख्या एमपी 09 डीएस 7744 की जांच के दौरान पुलिस को ऊपर से भूसी की बोरियां लदी मिलीं, जिससे पहली नजर में किसी तरह का शक नहीं होता। हालांकि, पुलिस टीम ने जब गहन तलाशी ली तो भूसी के नीचे बनाए गए गुप्त तहखाने का खुलासा हुआ। इसी तहखाने में शराब की सैकड़ों पेटियां बेहद चालाकी से छिपाकर रखी गई थीं। जांच के बाद ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई, जिसे जब्त कर लिया गया। पूछताछ में यह बात सामने आई कि यह अवैध शराब की खेप चंडीगढ़ से भेजी गई थी, जिसे बिहार में विशेष रूप से पटना में खपाने की योजना थी। मौके से ट्रक चालक और खलासी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार चालक की पहचान लील सिंह, पिता पदम सिंह, निवासी आकुरा गांव, थाना चौहटन, जिला बाड़मेर (राजस्थान) तथा खलासी की पहचान जुंजार सिंह, पिता कुंप सिंह, निवासी चौहटन थाना क्षेत्र, बाड़मेर के रूप में हुई। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि शराब का विनष्टीकरण बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत निर्धारित सभी नियमों का पालन करते हुए किया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है।

पुलिस का मानना है कि इस कार्रवाई से शराब तस्करों को साफ संदेश गया है कि कानून से बचने की कोई भी कोशिश सफल नहीं होने वाली। जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

चोरी की बाइक पर शराब तस्करी का खेल बेनकाब, पुलिस के हत्थे चढ़े नाबालिग समेत तीन

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने शराब तस्करी के एक शातिर तरीके का पदार्फाश करते हुए चोरी की बाइक पर शराब खपाने जा रहे तीन लोगों को धर दबोचा है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर स्थानीय बाजार क्षेत्र में की गई, जहां पुलिस ने बाइक सवारों को संदेह के आधार पर रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस को बाइक पर रखे बैग से 17 पीस एट पीएम फ्रूटी शराब बरामद हुई। शराब की खेप मिलते ही पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया। जांच में सामने आया कि जिस बाइक से शराब की ढुलाई की जा रही थी, वह बाइक औरंगाबाद जिले से कुछ दिन पूर्व चोरी की गई थी। तस्करों ने पहचान छुपाने के लिए उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी। पकड़े गए आरोपियों की पहचान केसठ गांव निवासी नीरज कुमार और टिंकू कुमार के रूप में हुई है, जबकि तीसरा आरोपी नाबालिग बताया जा रहा है। पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर बाइक और शराब को जब्त कर लिया है। नाबालिग को बाल संरक्षण कानून के तहत आगे की कार्रवाई के लिए अलग किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार यह महज एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि शराब तस्करी के बड़े नेटवर्क की कड़ी हो सकती है। आशंका जताई जा रही है कि चोरी की गाड़ियों का इस्तेमाल कर शराब की सप्लाई की जा रही थी, ताकि पुलिस की नजर से बचा जा सके। कोरानसराय पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह के तार किन-किन इलाकों से जुड़े हैं। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

डायट में जिला स्तरीय टीएलएम मेले का हुआ सफल आयोजन

केटी न्यूज/डुमरांव

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में जिला स्तरीय टीचिंग लर्निंग मटेरियल मेला का सफल आयोजन किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना रहा। शिक्षकों द्वारा निर्मित नवाचारी शिक्षण-सहायक सामग्रियों का प्रदर्शन करना और उसे प्रभावी बनाना रहा। मेले में विभिन्न विषयों से संबंधित टीएलएम को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सराहा। इस अवसर पर प्राचार्य डायट विवेक कुमार मौर्य ने कहा कि टीएलएम मेला शिक्षण को रोचक, सरल और प्रभावी बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। इससे शिक्षक अपनी सृजनात्मकता को मंच देते हैं और विद्यार्थी अनुभव-आधारित सीख से जुड़ते हैं। डॉ. नवनीत कुमार सिंह ने कहा कि टीएलएम के माध्यम से अमूर्त अवधारणाओं को मूर्त रूप में समझाया जा सकता है, जिससे विद्यार्थियों की समझ और रुचि दोनों में वृद्धि होती है। ऐसे आयोजनों से शिक्षकों में नवाचार की भावना विकसित होती है। गुणवत्ता संभाग प्रभारी सुरेन्द्र प्रसाद ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप टीएलएम मेला कौशल-आधारित एवं गतिविधि-आधारित शिक्षण को बढ़ावा देता है। यह बच्चों में तार्किक सोच और रचनात्मकता के विकास में सहायक है। वहीं सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी उमेश झा ने कहा कि स्थानीय संसाधनों से निर्मित टीएलएम न केवल किफायती होते हैं, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल भी होते हैं। इनका नियमित प्रयोग कक्षा-कक्ष को जीवंत बनाता है। इस टीएलएम मेले में गणित, पर्यावरण अध्ययन, अंग्रेजी, हिंदी एवं उर्दू विषयों से संबंधित टीएलएम का प्रदर्शन किया गया, जिसमें जिले के सभी प्रखंडों से चयनित शिक्षक अपने-अपने प्रदर्श के साथ उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के अंतर्गत गणित विषय में विमलेश कुमार गुप्ता, दुर्गमांगे उर्दू में नफीश एवं मो. मुमताज अली, अंग्रेजी में शिखा एवं श्वेता पाण्डेय, हिंदी में प्रतिमा कुमारी एवं सुमिता पाण्डेय, तथा पर्यावरण अध्ययन में कु. शिखा सिंह एवं ग्लोरी वर्मा के प्रदर्श को उत्कृष्ट चुना गया।

राजपुर पंचायत समिति बैठक में जनसमस्याओं का उठा सैलाब, अफसरों की गैरहाजिरी पर सख्त रुख

■ जनता दरबार से लेकर पशु अस्पताल, स्वच्छता और मनरेगा तक, योजनाओं की धीमी रफ्तार बनी चिंता का विषय

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड कार्यालय कक्ष में मंगलवार को आयोजित पंचायत समिति की बैठक जनसमस्याओं और प्रशासनिक लापरवाहियों के मुद्दों पर केंद्रित रही। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख मंजू देवी ने की, जबकि संचालन बीडीओ सिद्धार्थ कुमार एवं प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी अभिषेक पाठक ने संयुक्त रूप से किया। बैठक शुरू होते ही पंचायतों में संचालित योजनाओं की प्रगति, उनकी गुणवत्ता और नई योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर गहन चर्चा हुई।

बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने जानकारी दी कि सरकार के निर्देशानुसार आगामी 16 फरवरी से सभी पंचायतों में नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। इसमें पंचायत एवं प्रखंड स्तर के संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहेंगे, ताकि आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके।

बैठक में मुखिया अनिल सिंह ने प्रखंड मुख्यालय से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं की कमी को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से राजपुर में पशु अस्पताल नहीं है, जिससे पशुपालकों को काफी परेशानी होती है। साथ ही राजपुर बाजार में सामुदायिक शौचालय एवं पेयजल के लिए पानी टंकी की स्थापना की मांग रखी। उन्होंने महादलित बस्ती की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि सालोंभर जलजमाव रहने से लोगों का आवागमन बाधित होता है और खेल मैदान के अभाव में युवाओं की प्रतिभा प्रभावित हो रही है।

राजस्व जमाबंदी सुधार के लिए चलाए गए महा अभियान पर भी सवाल उठे। सदस्यों ने कहा कि आवेदन लेने के बाद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बारूपुर पंचायत के बीडीसी अलीशेर शाह ने आवास योजना में जांच प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि सही तरीके से सर्वे नहीं हो रहा है। उन्होंने खाद्य आपूर्ति विभाग में पदाधिकारी की कमी, योजनाओं के संचालन में अनियमितता और स्वच्छता कर्मियों की लापरवाही को गंभीर मुद्दा बताया।

एक नजर

ठेकेदारी के बकाया ने ली जान, नौ महीने बाद घर से दबोचा गया हत्याकांड का आरोपी

चौसा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र में ठेकेदारी के बकाया विवाद से जुड़े सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। नौ माह से फरार चल रहे आरोपी बबन यादव को पुलिस ने सोमवार देर रात उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया। इस गिरफ्तारी के साथ ही लंबे समय से ठंडी पड़ी जांच को नई गति मिली है। मामला 30 मई 2025 का है। जोकही गांव निवासी राजेन्द्र गोंड उस दिन सुबह करीब 9 बजे सौवाबांध गांव के बबन यादव से ठेकेदारी का बकाया पैसा लेने निकले थे। शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अगले दिन 31 मई को बलुआ गांव के पास सरकारी करहा के समीप उनका शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में हत्या कर शव फेंके जाने की पुष्टि हुई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया था। राजेन्द्र की पत्नी शैला देवी के बयान पर मुफस्सिल थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इसी क्रम में आरोपी की पहचान तो हो गई, लेकिन वह लगातार पुलिस की पकड़ से बाहर रहा। महीनों तक दबिश और तलाश के बावजूद गिरफ्तारी नहीं हो सकी। अनुसंधानकर्ता एसआई मुकेश कुमार के अनुसार, सोमवार रात गुप्त सूचना मिली कि आरोपी अपने घर पर मौजूद है। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके घर पर छापेमारी की और उसे धर दबोचा। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आने की उम्मीद है, जिससे मामले की कड़ियां और मजबूत होंगी।

पीएम सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत शिविर, 32 गर्भवती महिलाओं की हुई नि :शुल्क जांच

केसठ। प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण को लेकर एक निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गर्भवती महिलाओं की काफी भीड़ देखी गई।शिविर का नेतृत्व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनय कुमार ने किया। इस दौरान चिकित्सकों एवं एएनएम की टीम द्वारा कुल 32 गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच की गई। जांच के दौरान महिलाओं के रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा, शुगर लेवल, एचआईवी, वजन सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। मौके पर मौजूद चिकित्सकों ने गर्भावस्था के दौरान होने वाली गंभीर बीमारियों के लक्षणों, उनसे बचाव के उपाय, समय पर जांच व दवा लेने की आवश्यकता के बारे में महिलाओं को विस्तार से जानकारी दी। साथ ही संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और सरकारी निरूशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने की अपील की गई।शिविर में जरूरत के अनुसार गर्भवती महिलाओं को आयरन एवं कैल्शियम की गोलियां भी उपलब्ध कराई गईं, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर से महिलाओं में जागरूकता बढ़ी और उन्हें समय पर इलाज की सुविधा मिली।इस अवसर पर डॉ. कमलेश प्रसाद, एएनएम बाला कुमारी, विनोद कुमार, विक्की कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

कृतपुरा से दो बच्चों की मां लापता, बैंक खाते की रकम पर टिकी जांच, अपहरण की आशंका

चौसा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कृतपुरा गांव में एक महिला के रहस्यमय ढंग से लापता होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। दो छोटे बच्चों की मां रीना गुप्ता के अचानक गायब होने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। महिला के पति अभि कुमार गुप्ता ने पड़ोसी और उसके परिजनों पर अपहरण का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित पति के अनुसार वह निजी कार्यों के सिलसिले में अक्सर घर से बाहर रहते हैं। छह फरवरी की सुबह करीब सात बजे वह बच्चों को स्कूल छोड़ने बक्सर गए थे। स्कूल से लौटने के बाद जब वह घर पहुंचे, तो उनकी पत्नी रीना गुप्ता घर पर मौजूद नहीं थीं। पहले तो उन्होंने आसपास और रिश्तेदारों के यहां खोजबीन की, लेकिन जब कहीं कोई जानकारी नहीं मिली, तब उन्होंने अनहोनी की आशंका जताई। अभि कुमार गुप्ता ने थाने में दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि उनके पड़ोस में रहने वाले लोकेश कुमार दुबे और उसके परिवार की भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने स्पष्ट रूप से अपहरण की आशंका जताते हुए कहा है कि उनकी पत्नी के साथ कोई गंभीर घटना भी घट सकती है। इस घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं तेज हो गई हैं और लोग मामले को लेकर अलग-अलग कयास लगा रहे हैं।

नीतीश कुमार के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प, रवि उज्ज्वल ने जदयू सदस्यता का किया रिन्यूअल

■ पटना में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह के हाथों ग्रहण की नये सत्र की सदस्यता, डुमरांव से बिहार तक सियासी सक्रियता तेज

केटी न्यूज/डुमरांव

जनता दल (यूनाइटेड) की राजनीति में एक बार फिर सक्रियता और प्रतिबद्धता का संदेश देते हुए डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रभारी और जदयू के वरिष्ठ नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने नये सत्र के लिए पार्टी की सदस्यता का रिन्यूअल कर लिया है। राजधानी पटना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह (दादा) के हाथों सदस्यता ग्रहण की और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विचारों व सिद्धांतों को बिहार के कोने-कोने तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर रवि उज्ज्वल ने कहा कि नीतीश कुमार की राजनीति सुशासन, विकास और सामाजिक न्याय पर आधारित है, जिसे आम जनता तक ले जाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने दो टूक कहा कि वे पहले से कहीं अधिक मजबूती के साथ संगठन के लिए काम करेंगे और पार्टी को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

गौरतलब है कि रवि उज्ज्वल कुशवाहा डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में अपनी अनोखी और चर्चित ह्लजनता एग्रीमेंट यात्राह्व के जरिए खासे सुर्खियों में आए थे। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले निकाली गई इस यात्रा ने न सिर्फ डुमरांव, बल्कि पूरे जिले का सियासी पारा चढ़ा दिया था। जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनना और समाधान के लिए स्टांप पेपर पर एग्रीमेंट करना, उनकी राजनीति को बाकी नेताओं से अलग पहचान देता है। इस यात्रा के दौरान रवि उज्ज्वल ने आम लोगों से किए गए वायदों को सार्वजनिक रूप से दर्ज कर एक नई राजनीतिक बहस छेड़ दी थी। उनका मानना है कि राजनीति केवल भाषणों और वायदों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता से किए गए हर वचन को निभाना ही एक सच्चे जनप्रतिनिधि का धर्म है। यही वजह है कि उनकी इस पहल को जनता के साथ-साथ राजनीतिक गलियारों में भी एक ह्लतगड़ी चुनौतीह्व के रूप में देखा गया। पार्टी सदस्यता के रिन्यूअल के बाद उन्होंने साफ किया कि आने वाले समय में वे बिहार भर में नीतीश कुमार के विकास मॉडल और जदयू की नीतियों का प्रचार-प्रसार करेंगे। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और आम जनता की आवाज को पार्टी मंच तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। राजनीतिक जानकारों की मानें तो रवि उज्ज्वल की सक्रियता जदयू के लिए डुमरांव और आसपास के इलाकों में नई ऊर्जा भर सकती है। सदस्यता रिन्यूअल के साथ ही यह संकेत भी साफ है कि आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में उनकी भूमिका और मुखर होने वाली है।

आशा पड़री पंचायत के उपमुखिया पर जानलेवा हमला, मुखिया पुत्रों पर लग रहा है आरोप

- **देर शाम आशा पड़री के चुन्नीटांड़ मोड़ की है घटना, हालत गंभीर, प्राथमिक इलाज के बाद किए गए रेफर**

केटी न्यूज/सिमरी

आशा पड़री पंचायत के मुखिया दीपनारायण सिंह तथा उप मुखिया दिनेश तिवारी के बीच चली आ रही सियासी लड़ाई अब हिंसक रूख अख्तियार कर चुकी है। पंचायत के विवाद में मंगलवार की शाम करीब छह बजे मुखिया दीपनारायण के पुत्रों ने उप मुखिया दिनेश तिवारी पर जानलेवा हमला किया है। इस दौरान लोहे के राड से उनकी जमकर पिटाई की गई है। जिससे उनकी हालत गंभीर बनी हुई है तथा सिमरी सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार उप मुखिया दिनेश तिवारी अपने गांव स्थित चुन्नीटांड़ मोड़ के पास शाम करीब छह बजे किसी से बात कर रहे थे, इसी दौरान नगवां गांव निवासी व मुखिया दीप नारायण सिंह के दोनों पुत्र मनू सिंह व रवि सिंह वहां आ धमके तथा उपमुखिया की लोहे के राड से पिटाई शुरू कर दी। अचानक हुए हमले में उप मुखिया को बचने का मौका नहीं मिला था तथा वे लहूलुहान हो गए। हमला करने के बाद दोनों भाग खड़े हुए। बता दें कि दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चला रहा है तथा पूर्व में भी मुखिया पुत्रों ने पंचायत समिति की बैठक में शामिल होने के बाद वापस आशा पड़री लौट रहे उप मुखिया दिनेश तिवारी को जान मारने की नियत से पीछा किया गया था। तब उप मुखिया किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहे थे। गौरतलब हो कि यह विवाद तब शुरू हुआ था जब उममुखिया की योजना की जांच मुखिया दीप नारायण सिंह ने की थी तथा उसमें खामियां निकाली थी। इसके बाद उप मुखिया ने भी लगे हाथ मुखिया की योजनाओं की जांच के लिए कई जगहों पर आवेदन दिया था। जिसके बाद से इस पंचायत में मुखिया व उप मुखिया के बीच सियासी जंग शुरू हो गई थी, जिसका परिणाम मंगलवार को हिंसक हमले के रूप में सामने आया है। इस घटना के बाद एक बार फिर से आशा पड़री पंचायत की राजनीति गरमा गई है। वहीं, दोनों तरफ से गुटबंदी भी तेज हो गई है। वहीं, उप मुखिया पर जानलेवा हमले के बाद उनके समर्थकों में आक्रोश गहरा गया है, जबकि पंचायत में हिंसा-प्रतिहिंसा की आशंका तेज हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। फिलहाल उपमुखिया द्वारा किसी तरह का आवेदन नहीं दिया गया है, बावजूद पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है। उप मुखिया पर हमले की चर्चा पूरे प्रखंड क्षेत्र में हो रही है।

बिहार मोटर सेवा में बतौर सिपाही कार्यरत थे प्रतापसागर के मुकेश कुमार

कर्तव्यपथ की बलिवेदी पर चढ़ा प्रतापसागर का लाल, शव आते ही नम हुई आंखें, घटना के बाद से बेसुध है पूरा परिवार

- **अरवल में वाहन चेकिंग के दौरान हुए दर्दनाक हादसे का शिकार**
- **गर्भवती पत्नी भी है इसी विभाग में, माता-पिता व भाई-बहनों का रो-रोकर बुरा हो गया है बुरा हाल**

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भाजपुर थाना क्षेत्र के प्रतापसागर गांव निवासी व बिहार मोटर सेवा (बीएमएस) का जवान मुकेश कुमार कर्तव्यपथ की बलिवेदी पर चढ़ गया है। घटना सोमवार की देर शाम अरवल जिले में हुई है, जहां परिवहन विभाग द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान एक अप्रत्याशित हादसे में मुकेश की सांसे थम गई। इसकी जानकारी मिलते ही स्वजनों में क्रंदन-चित्कार मच गया। मुकेश प्रतापसागर के मैनेजर यादव व मीना देवी का पुत्र था। वह तीन भाईयों व दो बहनों में सबसे बड़ा था। मुकेश की पत्नी मुन्नी भी बिहार मोटर सेवा में सिपाही के पद पर ही कार्यरत है तथा उसकी पोस्टिंग भागलपुर जिले में है। पति की मौत की मनहूस खबर मिलते ही वह भी भागलपुर से प्रतापसागर पहुंच गई है। घटना के बाद से पूरा परिवार बदहवास है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद रात में ही स्वजन अरवल पहुंच गए तथा पोस्टमार्टम व जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मंगलवार की सुबह उसका शव पैतृक गांव लाया गया। शव आते ही अंतिम दर्शन के लिए पूरा गांव उमड़ पड़ा। इस दौरान सबकी आंखे नम हो गई थी।

घटना के बाद से बदहवास है पूरा परिवार

कमाउ पूत की मौत के बाद से पूरा परिवार बदहवास हो गया है। पिता मैनेजर यादव, माता मीना देवी, छोटे भाईयों राहुल व सोनू के अलावे बहने सोनी व नीतू का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद से ही उसके दरवाजे पर सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण व रिश्तेदार मौजूद है। ग्रामीणों तथा नाते रिश्तेदारों द्वारा ढांढस भी बंधाया जा रहा था, लेकिन ढांढस का एक भी मरहम उनके जख्मों को कम नहीं कर पा रहा था। आलम यह था कि उन्हें ढांढस बंधाने वाले खुद रो पड़ रहे थे। दोपहर बाद पत्नी के भागलपुर से आने के बाद जैसे-तैसे स्वजनों ने उसका अंतिम संस्कार किया।

नवंबर 2024 में हुई थी शादी छह महीने की गर्भवती है पत्नी

मुकेश की शादी उसके विभाग में कार्यरत व उत्तर प्रदेश के सिकंदरपुर निवासी मुन्नी कुमारी के साथ 18 नवंबर को हुई थी। मुन्नी छह माह की गर्भवती है, लेकिन पहले बच्चे के पैदा होने के पहले ही मुकेश एक दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। दोपहर बाद आई पत्नी पति के शव से लिपट बेसुध हो गई थी। यही हाल उसके पिता व भाई-बहनों का भी था।

अप्रत्याशित हादसे का शिकार हुआ है मुकेश

जानकारी के अनुसार सोमवार की देर शाम परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ मुकेश अरवल में वाहन चेकिंग अभियान में शामिल था। इसी दौरान एक ट्रक की जांच चल रही थी। ट्रक खड़ी थी तथा उसके आगे भी एक वाहन खड़ी थी। मुकेश संभवतः विभागीय प्रक्रिया के तहत ट्रक के रजिस्टेज्शन नंबर का फोटो अपने मोबाईल मे खींच रहा था, इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उक्त ट्रक में जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे ट्रक आगे बढ़ गई तथा मुकेश ट्रक तथा उसके आगे खड़ी वाहन के बीच दब गया, जिससे मौके पर

गार्ड ऑफ आनर के साथ दी गई अंतिम विदाई

बीएमएस जवान मुकेश को गार्ड ऑफ आनर के साथ अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान विभागीय जवानों के अलावे नया भोजपुर थाना की टीम मौजूद थी। प्रतापसागर स्थित पैतृक घर के साथ ही बक्सर मुक्तिधाम पर भी शहीद जवान को अंतिम विदाई दी गई।

एक नजर

केसठ की सभी पंचायतों में लगेंगे सुझाव कैंप, सबका सम्मान जीवन आसान अभियान की शुरूआत

केसठ। आम नागरिकों के दैनिक जीवन को सरल, सुगम और सम्मानजनक बनाने के उद्देश्य से बिहार सरकार के सात निश्चयद्द3 कार्यक्रम के तहत सबका सम्मान जीवन आसान अभियान की शुरूआत की जा रही है। इसके अंतर्गत केसठ प्रखंड की सभी पंचायतों में विशेष सुझाव एवं समस्या निवारण कैंप आयोजित किए जाएंगे, जहां आम लोग सीधे तौर पर अपनी बात प्रशासन तक रख सकेंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी, केसठ द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार इन कैंपों में सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीणों की समस्याओं और सुझावों को मौके पर ही गंभीरता से सुना जाए और त्वरित समाधान की दिशा में पहल हो सके। अभियान के तहत पंचायतवार कैंपों की तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं। केसठ पंचायत के पंचायत सरकार भवन में 12, 19, 24 एवं 28 फरवरी 2026 को कैंप लगाया जाएगा। वहीं रामपुर पंचायत के पंचायत भवन में 14, 21 एवं 25 फरवरी 2026 को तथा कतिकनार पंचायत के पंचायत भवन में 17 एवं 26 फरवरी 2026 को कैंप का आयोजन होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं को आम जनता की सीधी पहुंच में लाना, जमीनी स्तर की समस्याओं की पहचान करना और स्थानीय फीडबैक के आधार पर व्यवस्था में सुधार करना है। कैंप के दौरान नागरिक विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं, सुझाव और अपेक्षाएं साझा कर सकेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार सौरभ ने बताया कि आगामी 12 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक प्रखंड की तीनों पंचायतों में चयनित स्थलों पर कैंप आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस अभियान में सहभागिता निभाने की अपील की है।

किसान फॉर्मर रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि आज

केसठ। फार्मर रजिस्ट्री महाअभियान का तीसरा चरण बुधवार को समाप्त हो जाएगा। इस अभियान के तहत किसानों को एक डिजिटल पहचान पत्र प्रदान की जा रही है, जो केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ लेने के लिए अनिवार्य है।किसान पंचायत स्तर पर आयोजित विशेष शिविरों अथवा नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से अपना फॉर्मर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण तथा भूमि रिकॉर्ड या जमाबंदी से संबंधित दस्तावेज अनिवार्य हैं। बताया गया कि किसान आईडी के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि अनुदान, बीज एवं खाद सब्सिडी सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे किसानों के खाते में पहुंचाया जाएगा। इससे किसानों को योजनाओं का लाभ लेने में होने वाली परेशानियों से भी निजात मिलेगी। प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवम वर्मा ने किसानों से अपील की है कि जो किसान अब तक फॉर्मर रजिस्ट्रेशन से वंचित हैं, वे बुधवार को प्रखंड कृषि कार्यालय अथवा शिविरों में पहुंचकर अवश्य अपना रजिस्ट्रेशन करा लें। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि के बाद रजिस्ट्रेशन में कठिनाई आ सकती है, जिससे किसान योजनाओं के लाभ से वंचित रह सकते हैं।

इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2026: बक्सर जिले में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई दोनों पालियों की परीक्षा

बक्सर। इंटरमीडिएट वार्षिक सैद्धांतिक परीक्षा 2026 के तहत मंगलवार को बक्सर जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रशासन की सतर्कता और सुदृढ़ व्यवस्था के कारण कहीं से भी किसी प्रकार की अव्यवस्था या अनुशासनहीनता की सूचना नहीं मिली। प्रथम पाली में उर्दू, मैथिली, संस्कृत, प्राकृत, मगही, भोजपुरी, अरबी, फारसी, पाली एवं बंगला विषयों की परीक्षा आयोजित की गई। इस पाली में कुल 579 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 571 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 08 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस पाली में किसी भी परीक्षार्थी को निष्कासित नहीं किया गया, जो परीक्षा की निष्पक्षता और अनुशासन का प्रमाण है। वहीं द्वितीय पाली में साइकोलॉजी एवं एंटरप्रेन्योरशिप विषयों की परीक्षा ली गई। इस पाली में कुल 5955 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होने के लिए पंजीकृत थे। इनमें से 5880 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 75 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। द्वितीय पाली में भी निष्कासन की कोई घटना सामने नहीं आई।

स्टेशन रोड में नाला खुदाई कर छोड़ी गई मिट्टी से लोगों की परेशानी बढ़ी

डुमरांव। नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत स्टेशन रोड में नया थाना से लेकर रेलवे स्टेशन के समीप महाराज पेट्रोल पंप तक नाली के लिये गड्ढे की खुदाई की गई है। इसकी खुदाई कर उसकी मिट्टी को छोड़ दिये जाने से इससे संपर्क में आने वाले मोहल्लों की परेशानी बढ़ गई है। नाले की खुदाई का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर बहने वाले गंदे पानी को नाले के माध्यम से प्रवाहित करना था, ताकि जलजमाव की समस्या से आम लोगों को राहत मिल सके। आए दिन खुले नाले में गिरने से लोग घायल हो रहे हैं। सबसे परेशानी उम्रदराज के साथ छोटे बच्चों को हो रही है। इसकी शिकायत नप के पास करने के बाद भी इसको हटाने के लिये कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया है, जिससे आमजनों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों की यह शिकायत है कि खुदाई के बाद मिट्टी को हटाकर वहां आसपास के जमीन का समतलीकरण कर देना चाहिए थे। उनका कहना है कि नप ने आधा-अधूरा काम कराकर लोगों को परेशानी में डाल दिया है। छोटे वाहन चालकों को भी मिट्टी जमा होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में नप ईओ राहुलधर दूबे से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जल्द ही नाले से निकाली गई मिट्टी को फैलाकर समतल कर दिया जाएगा, ताकि लोगों को हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। बुडको जेई रीतू राज से बात की गई तो उन्होंने बताया की सफाई के लिये नाला की खुदाई करने की बात कही गई थी, लेकिन उसके बाद कार्य आगे नहीं लगा। मुख्यमंत्री शहरी समग्र योजना के तहत नया थाना से रेलवे क्रॉसिंग तक नए नाले के निर्माण को लेकर योजना स्वीकृत की प्रक्रिया में है।

राजस्थान हादसा : चौथे दिन खाई से निकाला गया पोकलेन मशीन, लापता रामानंद की तलाश जारी

- **डुमरांव थाना क्षेत्र के रजडीहा गांव का रहने वाला है माइंस दुर्घटना में लापता युवक, चार दिनों से घर में नहीं जला है चूल्हा**

केटी न्यूज/डुमरांव

राजस्थान के अरवल जिले के रामगढ़ उड़ेला माइंस हादसे में पोकलेन मशीन के साथ सैकड़ो फीट गहरे खाई में लापता हुए डुमरांव थाना क्षेत्र के रजडीहा गांव निवासी रामानंद तिवारी का पता चौथे दिन भी नहीं चल पाया है।

हालांकि, स्थानीय प्रशासन ने केन्द्रीय सहयोग तथा कई क्रेनों के सहारे पहाड़ टूटने से खाई में गिरी पोकलेन मशीन को मंगलवार को बाहर निकाल लिया है। वहीं, पोकलेन चला रहे रामानंद तिवारी की तलाश जारी है। बता दें कि यह हादसा शुक्रवार की शाम साढे. पांच बजे हुआ था, जिसमें पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा टूट खाई में गिर गया, जिसमें रामानंद तिवारी पोकलेन मशीन के साथ खाई में गिर गया था। खाई में सैकड़ो फीट पानी जमा होने से राहत व बचाव कार्य में विलंब हो रहा था।

इधर चौथे दिन भी लापता रामानंद का सुराग नहीं मिलने से स्वजनों की चिंता बढ़ गई है। स्वजन किसी अनहोनी की आशंका से सहमें हुए है। लापता युवक के पिता पारसनाथ तिवारी ने बताया कि ठेकेदार उसकी तलाश में मदद नहीं कर रहा है। इसके अलावे भी उन्होंने ठेकेदार पर कई गंभीर आरोप लगाए और बताया कि उसका तीन महीने की मजदूरी बकाया था, जिसे ठेकेदार दे नहीं रहा था। पारस तिवारी ने बताया कि उससे अंतिम बातचीत जब हुई थी, तब उसने कहा था कि 10 फरवरी को ठेकेदार उसके बकाया मजदूरी देने की बात कहा है, पैसा मिलते ही मैं 11 फरवरी को गांव के लिए चल दूंगा, लेकिन इसी बीच वह माइंस में हादसे का शिकार हो गया।

वहीं, युवक के लापता होने के बाद से उसके घर चूल्हे नहीं जले है। माता-पिता के अलावे परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता पारसनाथ तिवारी ने राज्य सरकार से अपने बेटे की तलाश में मदद की गुहार लगाई है।

कमल नगर को जलजमाव से मिलेगी राहत, टूटी नाली की मरम्मत तेज

- **वार्ड पार्षद अनु देवी के प्रयास से महाराजा पेट्रोल पंप के सामने वर्षो पुरानी समस्या का समाधान शुरू**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद के वार्ड संख्या 18 अंतर्गत कमल नगर मोहल्ले के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। महाराजा पेट्रोल पंप के सामने टूटी नाली और क्षतिग्रस्त स्लैब की मरम्मत का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। इस कार्य के पूर्ण होते ही मोहल्ले में लंबे समय से चली आ रही जलजमाव की गंभीर समस्या से लोगों को निजात मिलने की उम्मीद है। बताया जाता है कि महाराजा पेट्रोल पंप के सामने नाली के ऊपर बना स्लैब भारी वाहनों के लगातार दबाव के कारण टूट गया था। स्लैब का मलबा नाली में गिर जाने से पानी का बहाव पूरी तरह अवरुद्ध हो गया था। नतीजतन, नाली का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों और गलियों में फैलने लगा, जिससे कमल नगर मोहल्ला जलजमाव की चपेट में आ गया।

बोली वार्ड पार्षद समस्या का समाधान हमारी प्राथमिकता : इस संबंध में वार्ड पार्षद अनु देवी तथा उनके प्रतिनिधि रितेश कुमार सिंह उर्फ भुटेली सिंह ने बताया कि वार्ड के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्हमारा लक्ष्य है कि वार्ड 18 की सभी सड़कें और नालियां दुरुस्त हों। आम जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, ताकि लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े। स्थानीय लोगों ने भी मरम्मत कार्य शुरू होने पर संतोष जताया है और उम्मीद की है कि काम जल्द पूरा होगा, जिससे कमल नगर मोहल्ला जलजमाव की समस्या से हमेशा के लिए मुक्त हो सकेगा।

छह महीने से परेशान थे लोग

जल निकासी बाधित होने के कारण मोहल्ले से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली गली में पिछले छह महीने से अधिक समय से पानी जमा था। इससे स्थानीय निवासियों को रोजमर्रा की आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। वहीं, शॉर्टकट के रूप में इस रास्ते का उपयोग करने वाले वाहन चालकों के लिए भी यह मार्ग परेशानी का सबब बना हुआ था। बरसात के दिनों में स्थिति और भी बदतर हो जाती थी।

वार्ड पार्षद ने दिखाई सक्रियता

मोहल्लेवासियों की लगातार शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए वार्ड पार्षद अनु देवी ने इस समस्या पर तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने नगर परिषद प्रशासन को स्थिति से अवगत कराया और शीघ्र समाधान की मांग की। उनकी पहल पर नगर परिषद द्वारा टूटी नाली और स्लैब की मरम्मत का कार्य शुरू कराया गया, जो फिलहाल तेजी से प्रगति पर है।

खलवा ईनार-डुमरांव राजवाहा संपर्क पथ के किनारे पलटी बालू लदी ट्रक, बाल-बाले बचे चालक व खलासी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के स्टेशन रोड का मरम्मत कार्य पिछले छह महीने से जारी है। इस दौरान रोक के बावजूद डुमरांव राजवाहा मार्ग से ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों का परिचालन हो रहा है। सोमवार की देर शाम खलवा ईनार से डुमरांव राजवाहा के संपर्क पथ पर बालू लदी एक ट्रक पलट गई। हालांकि, इस हादसे में ट्रक चालक तथा खलासी बाल-बाल बच गए। बावजूद इस हादसे ने राजवाहा मार्गों पर भारी वाहनों के अवैध परिचालन की पोल खोलकर रख दी है। बता दें कि डुमरांव के मुख्य पथ स्टेशन रोड का मरम्मत कार्य पिछले छह महीने से जारी है। मरम्मत को देखते हुए स्टेशन रोड में भारी वाहनों का परिचालन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। जिस कारण इस पथ से ट्रकों का परिचालन बंद है। प्रशासन द्वारा इस लिहाज से रूट भी डायवर्ट किया गया है, बावजूद ट्रक चालकों को डायवर्ट रूट से जाने में लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। इस दूरी से बचने के लिए ट्रक चालक खलवा ईनार से राजवाहा मार्ग पकड़ ढकाईच निकल जा रहे है।

जर्जर है राजवाहा मार्ग, कई पुलिया है क्षतिग्रस्त

बता दें कि डुमरांव राजवाहा मार्ग पहले से ही क्षतिग्रस्त है तथा इस पथ पर अनुमंडलय कार्यालय के समीप स्थित पुलिया पूरी तरह से जर्जर हो गई है। इस पुलिया से भारी वाहनों के गुजरने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं, भारी वाहनों के परिचालन से सड़क तेजी से चौपट हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि डुमरांव के शहरी क्षेत्र में पथ मरम्मत के नाम पर नहर मार्गों से भारी वाहनों के परिचालन पर प्रशासनिक चुप्पी से ग्रामीण क्षेत्रों की कई सड़के टूट रही है। ग्रामीणों ने इस अवैध परिचालन पर रोक लगाने की मांग अनुमंडल प्रशासन व परिवहन विभाग से की है।

अनंतविजयम एकेडमी में खेलों का महाकुंभ, पांच दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ भव्य आगाज

■ **उद्घाटन के साथ गूंजा उत्साह, खिलाड़ियों में दिखा जीत का जज्बा**

केटी न्यूज/डुमरांव

शिक्षा के साथ खेलों को समान महत्व देने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अनंतविजयम एकेडमी, डुमरांव में पांच दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के प्रेसिडेंट चंदन कुमार मिश्रा ने फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उद्घाटन समारोह के दौरान पूरा विद्यालय परिसर खेल भावना और उत्साह से सराबोर नजर आया।

छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर दिखाई प्रतिभा

इस अवसर पर अनंतविजयम एकेडमी के छात्र एवं छात्राओं ने पूरे जोश और उमंग के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। उद्घाटन के बाद मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों के चेहरों पर आत्मविश्वास और जीत की ललक साफ झलक रही थी, वहीं दर्शक दीर्घा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी।

विविध खेलों से सजेगा पांच दिवसीय आयोजन

पांच दिनों तक चलने वाली इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में कई प्रकार के खेल आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें वॉलीबॉल, खो-खो, कबड्डी, फुटबॉल, क्रिकेट, कैरम जैसे लोकप्रिय खेलों के साथ-साथ दौड़ प्रतियोगिता, स्प्रिंट रेस, पैक-रेस, रस्सा-कस्सी, भाला फेंक और गोला फेंक जैसी रोमांचक स्पधाएं भी शामिल हैं। खेलों की इस विविधता ने विद्यार्थियों में अतिरिक्त उत्साह भर दिया है।

खेलों से होता है सर्वांगीण विकास : चंदन मिश्रा

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रेसिडेंट चंदन कुमार मिश्रा ने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा, जिससे उनका मनोबल और अधिक बढ़े।

आयोजन में शिक्षकों व स्टाफ की अहम भूमिका

इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में विद्यालय परिवार की भूमिका सराहनीय रही। आयोजन को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में संतोष कुमार राय, राज कुमार, डॉली सिंह, पूनम तिवारी, रविभूषण, रामबचन सिंह, माधवी मिश्रा, तराना, अनुष्का, विद्यावती, निखिल कुमार, आकांक्षा और तरुण सहित अन्य शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

खेल भावना का जीवंत उदाहरण बना विद्यालय परिसर

कुल मिलाकर, अनंतविजयम एकेडमी का यह वार्षिक खेलकूद आयोजन न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान कर रहा है, बल्कि उनमें अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी मजबूत कर रहा है। आने वाले दिनों में यह प्रतियोगिता और भी रोमांचक होने की उम्मीद है।

एक नजर

मछ्ली पालन तकनीकी प्रशिक्षण हेतु किसानों को भेजा गया कोलकाता

रोहतास। जिले के मछ्ली पालक अब आधुनिक तकनीक से मछ्ली पालन कर आमदनी बढ़ाएंगे। जिसे लेकर जिले के 30 किसानों को सात दिवसीय प्रशिक्षण हेतु कोलकाता के आइसीएआर (सीफा) भेजा गया। जिला मत्स्य पदाधिकारी सतेंद्र राम ने बताया कि जिले के मत्स्य पालक किसानों के आमदनी को बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक तकनीक व विधिवत प्रशिक्षण हेतु कोलकाता सीफे भेजा गया है। प्रशिक्षण के दौरान आइएमसी और कैटफिश मछलियों को कम लागत में अधिक बड़ा व ज्यादा उत्पादन करने, संतुलित आहार, रख रखाव, तालाब निर्माण के तरीके, मछलियों में होने वाले रोग व निवारण समेत अन्य तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जिसमें 9 महिला व 21 पुरुष प्रशिक्षणार्थी शामिल हैं। साथ में जिला मत्स्य विकास पदाधिकारी चितरंजन कुमार भी मौजूद रहेंगे।

चुनाव : आचार संहिता उल्लंघन में निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह कोर्ट में हुए पेश

डेहरी। काराकाट लोकसभा सीट से पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी रहे पवन सिंह मंगलवार को रोहतास जिले के डेहरी स्थित व्यवहार न्यायालय में पेश हुए। यह मामला लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान आदर्श आचार संहिता उल्लंघन से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव प्रचार के क्रम में पवन सिंह द्वारा बिना प्रशासनिक अनुमति के एक बड़ा रोड शो निकाला गया था। रोड शो के दौरान समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी, जिससे यातायात बाधित हुआ और प्रशासनिक नियमों का उल्लंघन पाया गया था। इसके बाद स्थानीय प्रशासन ने उनके खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया था। इसी मामले में मंगलवार को पवन सिंह डेहरी व्यवहार न्यायालय में उपस्थित हुए, जहां उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कोर्ट परिसर पहुंचने पर उनके प्रशंसकों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पेशी के दौरान पवन सिंह के अधिवक्ताओं ने न्यायालय में अपना पक्ष रखा। मामले की अगली सुनवाई की तिथि बाद में निर्धारित की जाएगी।

शराब कांड का अभियुक्त गिरफ्तार

राजपुर। राजपुर पुलिस ने पूर्व शराब केस के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष उमूस सलमा ने बताया कि स्थानीय थाना कांड संख्या 63/22 के आलोक में धारा 30 ए बिहार एक्साइज एक्ट के अभियुक्त दरोगा सिंह के पुत्र रामसन सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दयालगंज का रहने वाला बताया जाता है।

शराब के नशे में दो व्यक्ति को जेल

राजपुर । राजपुर पुलिस ने शराब सेवन करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष उमूस सलमा ने बताया कि नासरीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धूपडीहा निवासी लालटन राम के पुत्र अभिषेक कुमार एवं राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिसैनी कला निवासी नरेश राम के पुत्र रवि कुमार को पुलिस ने नशे की हालत में गिरफ्तार कर लिया । जांच के उपरांत मामला सही पाया गया । थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों लोगों के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया।

प्राथमिकी दर्ज का अभियुक्त गिरफ्तार

बिक्रमगंज । नटवार पुलिस ने पूर्व केस के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत नटवार बाजार निवासी आनंद कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 168/25 के आलोक में मामला दर्ज था।

पुलिस ने शराब के साथ धंधेबाज को पकड़ा

कोचस । परसथुआ पुलिस ने सोमवार की देर शाम 400 एमएल ब्लू लाइन देसी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति प्रभु शाह पिता स्वर्गीय देव शाह ग्राम खरहना थाना कुदरा जिला कैमूर का बताया गया है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष रामचंद्र चौपाल ने बताया कि पुलिस गश्त पर थी तभी एक व्यक्ति को संदिग्ध स्थिति में देखा गया, तलाशी के दौरान उसके जेब से दो पीस ब्लू लाइन देसी शराब बरामद किया गया साथ ही उसको गिरफ्तार कर थाने लाया गया जहां मध्य निषेध अधिनियम के तहत कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय अभीरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

मुजफ्फरपुर में ज्वेलरी शॉप से 10 लाख की लूट हथियारबंद बदमाशों ने घटना को दिया अंजाम

एजेंसी। पटना

मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र में हथियारबंद बदमाशों ने एक ज्वेलरी शॉप से 10 लाख का गहना और कैश लूट लिया। देर शाम हुई इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। मुजफ्फरपुर जिले में अपराधियों के बढ़ते मनोबल और बेखौफ अंदाज ने एक बार फिर सुशासन के दावों की पोल खोल दी है। मामला सदर थाना क्षेत्र के सुस्ता इलाके का है, जहाँ मंगलवार की देर शाम हथियारबंद अपराधियों ने एक ज्वेलरी शॉप को निशाना बनाते हुए 10 लाख रुपये का गहना और नकदी लूट ली। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय व्यवसायियों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, सुस्ता स्थित आभूषण दुकान में बाइक सवार नकाबपोश अपराधी अचानक आ धमके। दुकान में घुसते ही अपराधियों ने पिस्तौल तान दी और दुकानदार सहित वहां मौजूद लोगों को बंधक बना लिया। चश्मदीदों ने बताया कि अपराधियों का अंदाज इतना खौफनाक था कि विरोध करने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। विरोध करने पर अपराधियों ने जान से मारने की धमकी दी। महज कुछ ही मिनटों के भीतर अपराधियों ने दुकान की तिजोरी और शोकेस में रखे कीमती सोने-चांदी के जेवरात और गल्ले में रखी नकदी समेट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी हवा में हथियार लहराते हुए बड़ी आसानी से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मुजफ्फरपुर के एसएसपी (ररढ) कांतेश कुमार मिश्रा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और साक्ष्य जुटाने की कोशिश की। आसपास की दुकानों और सड़कों पर लगे सीसीटीवी (उउळश) कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों के भागने के मार्ग का पता लगाया जा सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कुछ संदिग्ध फुटेज मिले हैं जिनके आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शुरूआती आकलन के अनुसार करीब 10 लाख रुपये की संपत्ति की लूट हुई है। उन्होंने कहा, "यह एक गंभीर मामला है। अपराधियों की धरपकड़ के लिए सिटी एसपी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम (रक्ळ) का गठन किया गया है। जिले की सीमाओं को सील कर दिया गया है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। जल्द ही अपराधी सलाखों के पीछे होंगे।"

पुलिस प्रशासन की सक्रियता और जांच

घटना की सूचना मिलते ही मुजफ्फरपुर के एसएसपी (ररढ) कांतेश कुमार मिश्रा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और साक्ष्य जुटाने की कोशिश की। आसपास की दुकानों और सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों के भागने के मार्ग का पता लगाया जा सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कुछ संदिग्ध फुटेज मिले हैं जिनके आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है।

रोहतास एसपी ने मद्य निषेध पर अधिकारयों साथ की समीक्षात्मक बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

जिला पदाधिकारी के निदेशानुसार पुलिस अधीक्षक, रोहतास रौशन कुमार की अध्यक्षता में मद्य निषेध से संबंधित समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभागार में आयोजित हुई। पुलिस विभाग एवं मद्य निषेध विभाग द्वारा माह जनवरी 2026 में 213 शराब में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी। पुलिस विभाग एवं मद्य निषेध विभाग द्वारा माह जनवरी 2026 में 6745.003 लीटर शराब जप्त की गयी। पुलिस विभाग एवं मद्य निषेध विभाग द्वारा माह जनवरी 2026 तक जप्त 297 वाहनों का पुलिस अधीक्षक, रोहतास द्वारा तीनों अनुमण्डल के पुलिस पदाधिकारियों को निदेशित किया गया है कि प्रत्येक सप्ताह अपने-अपने अनुमण्डल अंतर्गत थाना से संबंधित लंबित अधिहरण प्रस्ताव की समीक्षा कर अविलम्ब वाहन अधिहरण प्रस्ताव जिला विधि को भेजने का निर्देश दिया गया है। पुलिस विभाग एवं मद्य निषेध विभाग द्वारा जप्त शराब का विनष्टीकरण प्रस्ताव 15 दिनों के अन्दर भेजने का निर्देश दिया गया है। सभी न्यायालयों से लंबित वाहनों का अधिहरण प्रस्ताव अविलम्ब निष्पादन कराने का निर्देश दिया गया है। सभी पुलिस थानाध्यक्षों एवं उत्पाद थाना को निदेशित किया गया कि अपने-अपने थानान्तर्गत जप्त शराब का विनष्टीकरण प्रस्ताव एवं वाहन अधिहरण प्रस्ताव एक सप्ताह के अन्दर समर्पित करना सुनिश्चित करेंगें।

तेज रफ्तार बाइक चालक ने ऑटो में मारी टक्कर,दो युवकों की मौत

घटना में घायल छः लोगों को ईलाज के लिए भेजा गया अस्पताल

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट नगर पंचायत के गोडारी मुख्य बाजार में मंगलवार दोपहर भयंकर सड़क हादसा हो गया। नासरीगंज की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक बाइक ने एनएच-120 पर बिक्रमगंज-डेहरी मुख्य सड़क पर एक टेंपो से जबरदस्त टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की सासाराम सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि टेंपो चालक सहित छह लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए।मिली जानकारी के अनुसार, टेंपो में सवार छह लोग चालक सहित एक ही परिवार के सदस्य थे। ये सासाराम से बिक्रमगंज ट्रेन से शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। बिक्रमगंज से ऑटो लेकर काराकाट थाना क्षेत्र के बहुआरा गांव जा रहे थे। नासरीगंज से दो युवक बाइक पर तेज गति से आ रहे थे, जिन्होंने गोडारी मुख्य बाजार पर टेंपो को जोरदार धक्का दे दिया। टेंपो के परखच्चे उड़ गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को सीएचसी गोडारी पहुंचाया।सीएचसी गोडारी के प्रभारी डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि कुल आठ लोग घायल हुए थे, जिनमें से तीन की हालत गंभीर थी। इनमें डिहरी गांव निवासी सवानंद की 57 वर्षीय पत्नी कांति देवी, नासरीगंज निवासी जितेंद्र सिंह के 26 वर्षीय पुत्र सुजीत कुमार और रामजी शाह के 22 वर्षीय पुत्र विवेक कुमार उर्फ नेचु शामिल थे। इन्हें सदर अस्पताल सासाराम रेफर किया गया, जहां सुजीत और विवेक की इलाज के दौरान मौत हो गई। टेंपो में सवार अन्य महिलाएं-संगीता देवी, रीता देवी, सुचेता देवी व चालक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। कांति देवी की हालत अभी चिंताजनक बनी हुई है। मौके पर काराकाट पुलिस पहुंची और वाहनों को कब्जे में लिया। हादसे की भयावहता ऐसी थी कि इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सराहनीय सहयोग किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉक्टरों ने तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण बताया। यह घटना क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा रही है।

कतिकन्नार पंचायत में नल-जल मेंटेनेंस पर 9.11 लाख खर्च, फिर भी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच रहा पानी

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के कतिकन्नार पंचायत में वर्ष 2021 से 2023 के बीच 15वीं वित्त आयोग मद से नल-जल योजना के मेंटेनेंस के नाम पर कुल 9 लाख 11 हजार 520 रुपये खर्च किए जाने का मामला सामने आया है। पंचायत के विभिन्न गांवों और वार्डों में इस राशि से मरम्मती कार्य, पाइप व नल बदलने तथा जलापूर्ति संचालन का दावा किया गया, लेकिन जमीनी हकीकत इससे इतर दिखाई दे रही है।ग्रामीणों का कहना है कि इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद पंचायत के कई वार्डों में आज भी नल-जल योजना का पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पा रहा है। जहां कहीं मरम्मत हुई भी है, वह अधिकतर टूटी-फूटी पाइपों और कुछ नलों के बदलने तक सीमित रही। ग्रामीणों का आरोप है कि भुगतान की गई राशि के अनुपात में काम नहीं हुआ, बल्कि काम कम और बाउचर अधिक बनाए गए हैं।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि बाउचर में दर्शाई गई पाइपों और नलों की संख्या तथा मौके पर उपलब्ध सामग्री में स्पष्ट अंतर है। कई स्थानों पर बाउचर में दर्ज कार्य दिखाई नहीं देते, जिससे मेंटेनेंस के नाम पर अनियमितता की आशंका गहराती जा रही है। हालांकि, कुछ ग्रामीणों ने यह स्वीकार किया कि पहले जिन इलाकों में पानी नहीं आता था, वहां अब आपूर्ति शुरू हुई है, लेकिन इसे वे आंशिक सुधार ही मानते हैं।बताया जा रहा है कि वर्तमान में नल-जल योजना के मेंटेनेंस और संचालन की जिम्मेदारी पीएचईडी विभाग के पास है। विभाग द्वारा कराए जा रहे कार्यों से भी ग्रामीण पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। कई वार्डों में पानी का दबाव कम है तो कहीं नियमित आपूर्ति नहीं हो पा रही है।ग्रामीणों की मांग है कि 2021 से 2023 तक खर्च की गई पूरी राशि की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, बाउचर और भौतिक सत्यापन का मिलान हो तथा दोषी पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही, नल-जल योजना को प्रभावी ढंग से संचालित कर हर घर तक निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि सरकारी योजना का वास्तविक लाभ आम जनता तक पहुंच सके।

एडवांस वापसी विवाद में हुई थी कारपेंटर सुनील की हत्या, दुकानदार समेत 3 गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

मुजफ्फरपुर के जैतपुर थाना क्षेत्र में 5 फरवरी 2026 को हुए बढ़ई मिस्त्री सुनील ठाकुर हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में लकड़ी दुकानदार समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैतपुर-करजा मार्ग स्थित विशंभरपुर चौर के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। बाद में शव की पहचान 41 वर्षीय सुनील ठाकुर के रूप में हुई, जो मोतिहारी जिले के बीजधारी निजामत गांव के निवासी थे और सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) में मजदूरी करते थे। शव पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए थे। शुरूआती तौर पर परिजनों ने लूटपाट के बाद हत्या की आशंका जताई थी। हालांकि, पुलिस की जांच और वैज्ञानिक साक्ष्यों से यह स्पष्ट हुआ कि हत्या कहीं और की गई थी और शव को पहचान छिपाने के उद्देश्य से घटना स्थल से दूर लाकर फेंका गया था।पुलिस जांच में सामने आया कि करजा थाना क्षेत्र के लकड़ी दुकानदार संतोष कुमार ने सुनील ठाकुर को एडवांस पैसे की वापसी को लेकर सिलीगुड़ी से बुलाया था। दुकान में पैसे को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और संतोष कुमार ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सुनील ठाकुर की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए मृतक का मोबाइल फोन जला दिया और शव को पिकअप वैन में लोड कर करीब 10 किलोमीटर दूर विशंभरपुर चौर में फेंक दिया। इस दौरान मृतक के कपड़े और अन्य सामान भी रास्ते में गिर गए।इस मामले में पुलिस ने करजा थाना क्षेत्र के रहने वाले संतोष कुमार, विजय कुमार और सुधीर कुमार को गिरफ्तार किया है। वहीं, दो अन्य आरोपी फरार हैं। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल पिकअप वैन, जला हुआ मोबाइल फोन और उसके पुर्जे भी बरामद कर लिए हैं। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

128 करोड़ से 71 सड़कें, 7 नए पुल, भोजपुर के तीन लाख लोगों का सफर होगा आसान

एजेंसी। पटना

आरा। भोजपुर जिले के आरा ग्रामीण कार्य प्रमंडल क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत जिले के पांच प्रखंडों में 71 ग्रामीण सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन का कार्य लगभग 128 करोड़ रुपये की लागत से शुरू हो गया है।वहीं मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत सात जर्जर पुलों के निर्माण का कार्य भी 24 करोड़ रुपये की लागत से प्रारंभ किया गया है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद प्रतिदिन तीन लाख से अधिक ग्रामीण आबादी को बेहतर, सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। एमएमजीएसवाई के तहत अगिआंव प्रखंड में 23, कोईलवर में 20, उदवंतनगर में 12, बड़हरा में नौ तथा आरा प्रखंड में सात ग्रामीण सड़कों का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण तेजी से किया जा रहा है। इन सड़कों के बन जाने से न केवल आम लोगों को आवागमन में सुविधा होगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। दूसरी ओर मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के अंतर्गत जिले में कुल सात पुलों का नव निर्माण कार्य शुरू किया गया है। इनमें बड़हरा और कोईलवर प्रखंड में दो-दो पुल, जबकि आरा और अगिआंव प्रखंड में एक-एक पुल शामिल हैं। इन सड़कों और पुलों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आपातकालीन सेवाओं को भी नई गति मिलेगी, जिससे जिले के समग्र विकास को बल मिलेगा। एमएमजीएसवाई के तहत बनने वाली प्रमुख सड़कों में अगिआंव प्रखंड में कुर्मीचकझडीहराझबागीपुर पथ (3.80 किमी), आरा-सहार रोड के 13वें किलोमीटर से भगवानपुर, रामपुर पथ (3.62 किमी) शामिल है। इसके अलावा बेरथ से मिल्की भाया डीलीया लख पथ (3.80 किमी), पवार आरसीडी रोड से रन्नी गांव पथ (2.93 किमी), पोसवा नहर से चासी टोला पथ (4.40 किमी), पीडब्ल्यूडी रोड से खोपिरा पथ (4.60 किमी), नारायणपुर, सितुहारी पथ (3.55 किमी) निर्माण होगा। आरा प्रखंड में सिंघही मोड़ से शोभी डुमरा, भेल डुमरा, निर्मलपुर, भभनौली पथ (4.70 किमी) का निर्माण किया जा रहा है। बड़हरा प्रखंड में सरैया से सब्बलपुर गाजीपुर, नाथमलपुर पथ (6.70 किमी), बबुरा से बिंदगावा बांध पथ (3.90 किमी), छपरा पर राधा-कृष्ण मंदिर से बड़का लौहर पुरब टोला एससी टोला पथ (1.05 किमी) शामिल हैं। कोईलवर प्रखंड में कुल्हड़िया गांव से कुल्हड़िया स्टेशन रोड (2.75 किमी), कोईलवर चौक से मेंटल हॉस्पिटल पथ (2.25 किमी), आरा-बक्सर रोड एनएच-84 से मसाढ़, करिसथ रेलवे स्टेशन पथ (3.76 किमी) बनेगी। उदवंतनगर प्रखंड में आरा, सासाराम रोड से उदवंतनगर भाया पियनिया सखुआ पथ (5.20 किमी) और आरा, सहार रोड के पियनिया पुल से गोड़ना एनएच-30 दरियापुर, चकिया पथ (5.15 किमी) का निर्माण किया जा रहा है।

सरकार का जिलों को स्पष्ट मैसेज, विजय सिन्हा ने दिए सख्त निर्देश

बिहार में मेलों के नाम पर नहीं चलेगा मनमाना खर्च

एजेंसी। पटना

बिहार के विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले राजकीय घोषित, बिहार राज्य मेला प्राधिकार के प्रबंधन में शामिल तथा अन्य महत्वपूर्ण मेलों के आयोजन को लेकर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने जिलों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि मेला आयोजन हेतु राशि की अधियाचना एवं व्यय पूर्व निर्धारित नियमों के अनुरूप ही किया जाएगा और किसी भी परिस्थिति में विभागीय स्वीकृति के बिना अतिरिक्त व्यय कर देनदारियों का सृजन स्वीकार्य नहीं होगा। विभाग के सचिव जय सिंह द्वारा जारी पत्र में विभागीय पत्रांक-2894 (9), दिनांक 07.08.2025 का हवाला देते हुए कहा गया है कि मेला आयोजन की अवधि प्रारंभ होने से कम-से-कम दो माह पूर्व संबंधित जिला समाहर्ता को संभावित मदवार व्यय विवरणी के साथ विभाग को राशि आवंटन हेतु प्रस्ताव भेजना अनिवार्य है। साथ ही, विभाग द्वारा स्वीकृत राशि के अनुसार ही मेला आयोजन में व्यय किया जाएगा। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रायः देखा गया है कि जिलों द्वारा राशि की अधियाचना अत्यंत विलंब से की जाती है तथा कई बार विभाग की पूर्व स्वीकृति के बिना ही खर्च कर दिया जाता है। इसके परिणामस्वरूप संवेदकों द्वारा न्यायालय में वाद दायर किए जाने की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और विभाग के समक्ष अनावश्यक वित्तीय दायित्व खड़े हो जाते हैं। कुछ मामलों में जिलों द्वारा अत्यधिक राशि की अधियाचना भी की जाती है, जिसे विभाग ने अनुचित परंपरा बताया है। विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि यदि विभाग स्तर से कम राशि स्वीकृत की जाती है, तो उसी राशि की सीमा के भीतर मेला आयोजन कराया जाए। स्वीकृत राशि से अधिक व्यय की स्थिति में अतिरिक्त राशि का आवंटन विभाग द्वारा नहीं किया जाएगा और उसके लिए संबंधित जिला स्वयं जिम्मेदार होगा। इस संबंध में विभाग ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों एवं अपर समहताओं को भी पत्र की प्रति भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। विभाग ने उम्मीद जताई है कि सभी जिलों के जिला प्रशासन अपने यहां मेला आयोजन में वित्तीय अनुशासन का पालन करते हुए विभागीय निदेशों के अनुरूप कार्य करेंगे। उपमुख्यमंत्री सह मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में आयोजित होने वाले राजकीय समेत अन्य सभी महत्वपूर्ण मेलों का हमारी सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन में विशेष महत्व है। इन मेलों के आयोजन में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और सुव्यवस्थित प्रबंधन सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उद्देश्य यही है कि मेला आयोजन समयबद्ध योजना, स्वीकृत बजट एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप हो। हम चाहते हैं कि सभी जिलाधिकारी समय से प्रस्ताव भेजें, स्वीकृत राशि की सीमा में ही व्यय करें और बिना पूर्व अनुमति किसी प्रकार की देनदारी उत्पन्न न करें। इससे अनावश्यक विवादों और वित्तीय दायित्वों से बचाव होगा तथा मेला आयोजन सुचारू, जिम्मेदार और जनहितकारी ढंग से संपन्न हो सकेगा।

दो माह पूर्व प्रस्ताव देना अनिवार्य

नए नियमों के मुताबिक, किसी भी मेले के शुरू होने से कम-से-कम दो महीने पहले संबंधित जिला समाहर्ता (उद्ट) को संभावित मदवार व्यय विवरणी के साथ राशि आवंटन का प्रस्ताव विभाग को भेजना होगा। विभाग ने पुराने पत्रांक का हवाला देते हुए कहा है कि देर से आने वाले प्रस्तावों और बिना अनुमति के सृजित की गई देनदारियों के कारण विभाग के समक्ष अनावश्यक कानूनी और वित्तीय संकट पैदा होते हैं, जिसे अब रोका जाएगा।

बक्सर-फतुहा पैसेंजर ट्रेन लूटकांड का 24 घंटे में खुलासा, लूटा गया सामान भी बरामद दो गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बक्सर-फतुहा पैसेंजर ट्रेन में एक महिला यात्री से हुई लूट की घटना का रेल पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है। इस मामले में न सिर्फ लूट में शामिल बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है, बल्कि लूटा गया सामान भी बरामद कर लिया गया है। इस बारे में पटना रेल पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार ने सोमवार को बक्सर जीआरपी थाना में प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेल थाना पुलिस को यह कामयाबी लूट में शामिल दो अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद मिली है। गिरफ्तार आरोपियों में झारखंड के जमशेदपुर थाना क्षेत्र के आदित्यपुर निवासी बृज बिहारी पाठक के बेटे दिनेश पाठक और रोहतास जिले के अगरेर के पास स्थित खरवनिया गांव निवासी नंदु कुमार के बेटे भोले शंकर पासवान उर्फ योगेश कश्यप शामिल हैं। इन दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। तीसरा आरोपी बक्सर शहर के ठठेरी बाजार स्थित प्रीति ज्वेलर्स का संचालक और नालबंद टोली निवासी हरिहर प्रसाद का बेटा अमित वर्मा है। उसके पास से अपराधियों द्वारा लूटे गए जेवरात बरामद किए गए हैं। रेल एसपी आनंद कुमार ने बताया कि 7 फरवरी की सुबह इस ट्रेन में सफर कर रही एक महिला यात्री के साथ यह लूट हुई थी। पीड़िता मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पीसी कॉलेज के पास स्थित विश्वनाथ कॉलोनी निवासी नागेंद्र मिश्र की पत्नी सुनीता मिश्र हैं। उन्होंने बताया कि दानापुर रेल मंडल के बक्सर-डुमरांव रेलखंड पर बरूना स्टेशन के पास दो अज्ञात बदमाशों ने चाकू और पिस्टल दिखाकर महिला के कान से सोने की बाली और एक हजार रुपये नकद लूट लिए थे। पीड़िता की ओर से मामला दर्ज कराने के बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया। इसके बाद दानापुर रेल डीएसपी कंचन राज के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई और जरूरी निर्देश दिए गए। इस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संदिग्धों की पहचान की और छापेमारी शुरू की। इसी कार्रवाई के दौरान जीआरपी पुलिस को यह बड़ी सफलता मिली और पूरे मामले का खुलासा हो गया।

31 साल पुराने मामले में पप्पू यादव को मिली जमानत, एमपी-एमएलए कोर्ट ने दी राहत

एजेंसी। पटना

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को 31 साल पुराने मामले में जमानत मिल गई है। मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने उन्हें राहत दी। वे पिछले तीन दिनों से बेऊर जेल में बंद थे। उन्हें एक केस में जमानत दी गयी है जबकि दूसरे केस में रिमांड पर लिया गया है। अभी उनकी रिहाई नहीं होगी। वो अभी फिलहाल बेऊर जेल में ही रहेंगे। सुनवाई के लिए पप्पू यादव दोपहर करीब 12:30 बजे बेऊर जेल से कोर्ट पहुंचे। दोपहर 2 बजे उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई शुरू हुई। इस दौरान वे कोर्ट में व्हीलचेयर पर बैठे नजर आए। पप्पू यादव की गिरफ्तारी शुक्रवार को 31 साल पुराने एक मामले में की गई थी। आरोप लगाया गया कि वे हाल ही में एक नीट छात्र की मौत का मामला उठा रहे थे, इसी कारण उनकी गिरफ्तारी हुई। 31 साल पुराने मामले में पप्पू यादव को कोर्ट से जमानत मिल गयी है लेकिन 279/17 कोतवाली में प्रोडक्शन और बुद्धा कॉलोनी मामले में पप्पू यादव को रिमांड पर लिया गया है। फिलहाल वो न्यायिक हिरासत में ही रहेंगे। बता दें कि कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत 2017 का यह मामला था, जिसमें प्रोडक्शन मिला है। पप्पू यादव की जिस दिन गिरफ्तारी हुई थी, उस दिन उनके समर्थकों ने विरोध किया था। जिसे लेकर बुद्धा कॉलोनी थाने में मामला दर्ज हुआ था। जिसमें सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप पप्पू यादव पर लगा था। फिलहाल बुद्धा कॉलोनी थाना मामले में पप्पू यादव अभी जेल में ही रहेंगे। पप्पू यादव फिलहाल जेल में ही रहेंगे। उनकी रिहाई अभी नहीं होगी। क्योंकि सरकारी कामकाज में बाधा डालने के दूसरे मामले की सुनवाई कल 11 फरवरी को होगी। यह मामला पटना के बुद्धा कॉलोनी थाने में दर्ज हुआ था, उनके ऊपर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप था। इस दूसरे मामले में जमानत मिलने के बाद ही पप्पू यादव जेल से बाहर आएगे।

खगड़िया पुलिस की बड़ी कार्रवाई : मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा, लूटकांड के 3 आरोपियों को भी दबोचा

एजेंसी। पटना

खगड़िया पुलिस ने महेशखूंट में मिनीगन फैक्ट्री का उद्भेदन किया और पसराहा में लूटकांड के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। मौके से अर्धनिर्मित हथियार और लूट का मोबाइल बरामद। खगड़िया से बड़ी खबर आ रही है, पुलिस ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर अवैध रूप से चल रहे मिनीगन फैक्ट्री और लूटकांड क उद्भेदन किया है। इस दौरान पुलिस ने लूटकांड में जहां 3 लोगों को गिरफ्तार किया हैं। वहीं मिनीगन फैक्ट्री के उद्भेदन मामले में मौके से अर्धनिर्मित हथियार का बॉडी और उपकरण बरामद किया है। खगड़िया एसपी राकेश कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि गोगरी रउ्ढड साक्षी कुमारी की अगुवाई में सबसे पहले महेशखूंट थाना इलाके के सिरुजवा दियारा में छापेमारी की गयी। इस दौरान अवैध रूप से संचालित मिनीगन फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया। इस दौरान 2 अर्धनिर्मित देसी कट्टा का बॉडी, 3 अर्धनिर्मित बैरल और हथियार बनाने के उपकरण जब्त किया है। वही दूसरी कार्रवाई पसराहा थाना इलाके में की गई। जहां से पुलिस ने लूटकांड के 3 आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से लूटी हुई मोबाइल सेट को जब्त किया गया। एसपी ने बताया कि लूटकांड का आरोपी गुंजेश कुमार और मनोज कुमार पर लूट के कई मामले दर्ज हैं। एसपी ने बताया कि पिछले साल 26 अक्टूबर को हथियार के बल पर विजय कुमार गुप्ता से 11 हजार कैश और एक मोबाइल की लूट हुई थी। इसी मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में अपराध नियंत्रण की दिशा में बड़ी सफलता मानी जा रही है।

बिहार में मौसम का बदला मिजाज : कभी ठंड तो कभी तेज धूप, तापमान में उतार-चढ़ाव जारी

एजेंसी। पटना

बिहार में इन दिनों मौसम हर दिन नया रंग दिखा रहा है। कभी तेज पछुआ हवाएं लोगों को ठिठुरन का एहसास करा रही हैं, तो कभी चटक धूप दिन में गर्मी बढ़ा रही है। इस बदलते मिजाज के कारण तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, हालांकि अब तक न तो तापमान में कोई बड़ी गिरावट दर्ज की गई है और न ही असामान्य बढ़ोतरी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राज्य में इस समय पश्चिमी विक्षोभ का हल्का प्रभाव बना हुआ है, जिससे सुबह और देर रात ठंड का असर महसूस किया जा रहा है। वहीं, दिन के समय धूप निकलने से लोगों को कुछ राहत भी मिल रही है। खासकर उत्तर और मध्य बिहार के जिलों में सुबह-शाम हल्की ठंड के साथ हवा चलने से ठिठुरन बढ़ जाती है, जबकि दोपहर होते-होते मौसम अपेक्षाकृत सामान्य हो जाता है। प्रदेश के कई जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास बना हुआ है। कुछ जगहों पर यह 9 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 22 से 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है, लेकिन दिन और रात के तापमान में अंतर बने रहने से लोगों को मौसम का दोहरा असर झेलना पड़ सकता है। ग्रामीण इलाकों में सुबह-सुबह हल्का कोहरा भी देखने को मिल रहा है, हालांकि यह घना नहीं है और जल्दी ही छंट जाता है। शहरों में भी सुबह की ठंड और दिन की धूप का मिश्रित असर लोगों की दिनचर्या पर पड़ रहा है। सुबह के समय लोग गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं, जबकि दोपहर में वही लोग हल्के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। किसानों के लिए यह मौसम फिलहाल ज्यादा नुकसानदायक नहीं माना जा रहा है। खेतों में खड़ी रबी फसलों को न तो अत्यधिक ठंड से खतरा है और न ही तेज गर्मी से। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों ने सलाह दी है कि किसान आने वाले दिनों के पूर्वानुमान पर नजर बनाए रखें और जरूरत पड़ने पर फसलों की सिंचाई और देखभाल करें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के बदलते मौसम में सर्दी-खांसी, बुखार और एलर्जी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसलिए लोगों को सुबह-शाम हल्के गर्म कपड़े पहनने, पर्याप्त पानी पीने और खानपान में सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक बिहार में मौसम का यही मिजाज बने रहने की संभावना है। सुबह और रात में हल्की ठंड और दिन में धूप का सिलसिला जारी रहेगा। फिलहाल किसी बड़े सिस्टम के सक्रिय होने की संभावना नहीं जताई गई है, जिससे तापमान में अचानक कोई बड़ा बदलाव आए। ऐसे में लोगों को सलाह दी गई है कि वे मौसम के अनुसार अपनी दिनचर्या और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

एक नजर

पटना सिटी के बजरंगपुरी में भीषण आग, कबाड़ दुकान और उत्सव हॉल जलकर खाक, लाखों का नुकसान

पटना। पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के बजरंगपुरी में मंगलवार की सुबह एक कबाड़ की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग पास के उत्सव हॉल तक फैल गई। आसपास के लोगों के मुताबिक, इस आग में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल 112 पुलिस को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही अग्निशमन दस्ते की छोटी-बड़ी करीब 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं।इस मामले में अग्निशमन दस्ते के अधिकारी गयानंद सिंह ने बताया कि दमकल के सभी कर्मचारी आग पर काबू पाने में लगे हुए हैं। आग कैसे लगी, इसकी वजह का भी पता लगाया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बजरंगपुरी मोहल्ले में एक कबाड़ की दुकान के पीछे से अचानक तेज धुआं उठने लगा। पहले लोगों को लगा कि शायद कबाड़ की दुकान में कोई सामान जलाकर बेचने का काम हो रहा है। लेकिन कुछ ही देर में आग की लपटें तेज हो गईं और पास के कम्युनिटी हॉल को भी अपनी चपेट में ले लिया।

सीवान पुलिस की सख्त कार्रवाई, रंगदारी मांगने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़, दो अभियुक्त गिरफ्तार

सीवान। सीवान जिले में अपराध पर नियंत्रण और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सिवान पुलिस ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए रंगदारी मांगने वाले अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है। नौतन थाना क्षेत्र में जय श्री राम डायग्नोस्टिक एंड सिटी स्कैन सेंटर के संचालक से रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर मामले का सफल उद्भेदन किया।जानकारी के अनुसार, नौतन बाजार स्थित जय श्री राम डायग्नोस्टिक एंड सिटी स्कैन सेंटर के संचालक मंटु कुमार को अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल कर 10 लाख रुपये की रंगदारी की मांग की गई। अपराधी ने रकम नहीं देने की स्थिति में जान से मारने की गंभीर धमकी भी दी, जिससे व्यवसायी और उसका परिवार दहशत में आ गया। इसके बाद पीड़ित द्वारा 7 फरवरी 2026 को नौतन थाना में लिखित आवेदन देने के बाद पुलिस ने धारा 308(4)/308(5) भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज कर तत्काल अनुसंधान प्रारंभ किया।

बिहार में भीषण सड़क हादसा : बस-कार की जोरदार टक्कर में दो की मौत, गैस कटर से निकाले गए शव

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर जिले के पारू थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। लालू छपरा के समीप ह्यजय माता दीह्ण नामक एक यात्री बस और दिल्ली नंबर की एक कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और शव वाहन के अंदर ही बुरी तरह फंस गए, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जय माता दी बस बेतिया और अरेराज से यात्रियों को लेकर पटना की ओर जा रही थी। बताया जा रहा है कि लालू छपरा के पास बस चालक ने आगे चल रहे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रही कार से बस की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। हादसे के तुरंत बाद बस चालक बस को बीच सड़क पर ही छोड़कर मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश भी देखने को मिला।

आर्थिक तंगी में फंसे राजपाल यादव को मदद तेजप्रताप यादव ने दी 11 लाख रुपये की सहायता

एजेंसी। पटना

भूल भुलैया' एक्टर राजपाल यादव इस वक्त अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। आर्थिक तंगी से गुजर रहे एक्टर राजपाल यादव ने 9 करोड़ के चेक बाउंस मामले में सरेंडर किया था। जिसके बाद उन्हें जेल भेजा गया। अभी वे दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। चेक बाउंस मामले में फंसे बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव ने तिहाड़ जेल में सरेंडर करने से पहले भावुक होते हुए कहा- क्या करूं? मेरे पास पैसे नहीं हैं। कोई और रास्ता नहीं दिख रहा, यहां सब अकेले हैं, कोई दोस्त नहीं होता। इस मुश्किल समय से मुझे खुद ही डील करना होगा। अब सोनू सूद के साथ-साथ राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव व जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजप्रताप यादव ने उनके लिए मदद का हाथ बढ़ाया है।तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा है कि मुझे अभी मेरे बड़े भाई राव इंदरजीत यादव जी की पोस्ट के माध्यम से माननीय राजपाल यादव जी के परिवार की पीड़ा के विषय में जानकारी प्राप्त हुई। इस अत्यंत कठिन समय में मैं और मेरा पूरा (जन शक्ति जनता दल) परिवार, उनके शोकाकुल परिवार के साथ पूरी संवेदना और मजबूती से खड़ा है। मानवीय करुणा एवं सहयोग की भावना से, मैं खखऊपरिवार की ओर से 11,00,000 (ग्यारह लाख रुपये) की आर्थिक सहायता उनके परिवार को प्रदान कर रहा हूँ।